साप्ताहिक
युवा प्रदेश
Freedom Of Speech
RNI. NO. MPHIN/2015/76299
संपादक-नागेश नरवरिया
YP24 NEWS
जिले एवं तहसीलों में संवाददाता नियुक्त करना है संपर्क करें ...
संपर्क करे- 9425156055
वर्ष-10 अंक-03 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 06 मार्च 2026 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ-08 मूल्य 2 रूपये

कर्ज के बदले हरवाई गंभीर अपराध है, पढ़िए साहूकार को कितनी सजा होती है - KNOW YOUR LAW

वर्तमान समय की बात करें तो आज भी बहुत से ग्रामीण क्षेत्रों में कमजोर वर्ग के व्यक्तियों से बंधुआ मजदूरी अर्थात जबरदस्ती काम करवाया जा रहा है, भारत सरकार द्वारा वर्ष 1976 में एक अधिनियम लागू किया गया, बंधक श्रम पद्धति (उत्सादन) अधिनियम, 1976 इस अधिनियम में स्पष्ट बताया गया कि किसी भी प्रकार के व्यक्ति से उसकी मर्जी के बिना श्रम नहीं करवाया जाएगा लेकिन जानकारी के अभाव के कारण आज भी अधिकतर ग्रामीण क्षेत्रों में कमजोर वर्गों के व्यक्तियों द्वारा हरवाई करवाई जा रही है, जानिए क्या है अधिनियम। बंधक श्रम पद्धति (उत्सादन) अधिनियम, 1976 की परिभाषा (सरल एवं संक्षिप्त शब्दों में) जो कोई व्यक्ति किसी कमजोर वर्गों के श्रमिकों से 1. बंधुआ मजदूरी करवाएगा। 2. किसी परंपरा के या रीति के अनुसार दिया गया ऋण को चुकाने के लिए हरवाई करवाना। 3. किसी भी व्यक्ति से बिना वेतन के काम काम करवाएगा या सिर्फ जीवन जीने मात्र का वेतन देगा। 4. कमजोर वर्ग के श्रमिक से जबर्दस्ती साल-भर के लिए उसके पूर्वजों द्वारा प्राप्त किसी आर्थिक लाभ के बदले बंधक बनाकर रखेगा। 5. मजदूर को कही आने जाने नहीं देगा अर्थात भारत के किसी भी स्थानों के भ्रमण से रोकेगा। ऐसा करने वाला सेठ, साहूकार, जमींदार आदि अधिनियम के अंतर्गत दोषी होगा। बंधक श्रम पद्धति(उत्सादन) अधिनियम,1976 के अंतर्गत दण्ड का प्रावधान- अधिनियम की धारा-6 के अनुसार ऐसे ऋण की वसूली शून्य मानी जाएगी अगर कोई संपत्ति पर जमींदार ने कब्जा कर लिया है तो बंधकमुक्त होगा अधिनियम की धारा 7 के अनुसार। अधिनियम की धारा 8 एवं 9 के अनुसार श्रमिक को उसके निवास से नहीं निकला जाएगा एवं वह किसी भी प्रकार का कर्जदार नहीं रहेगा। दण्ड- यह संज्ञेय एवं जमानतीय अपराध होते हैं। इस अधिनियम की धाराओं के नियमों के उल्लंघन पर 1 वर्ष से 3 वर्ष तक की कारावास या एक हजार रुपये से दो हजार रुपये तक का जुर्माना या दोनो से दाण्डित किया जा सकता है। इन अपराधों की सुनवाई का अधिकार प्रथम श्रेणी एवं द्वितीय श्रेणी के मजिस्ट्रेट को होता है। महत्वपूर्ण वाद-- प्रियदर्शी जन्तु वकर्स बनाम एफ.सी.आई.,एवं अन्य(1996)- मजदूरों के घोर शोषण की स्थिति में न्यायालय अपनी आँखें मूद नहीं सकता है।

- लेखक एडवोकेट बी. आर. अहिरवार (विधिक सलाहकार नर्मदापुरम) 9827737665*

शुजालपुर नगरपालिका परिषद ने जन सेवा और लोक कल्याण के 100 वर्ष पूर्ण किए हैं

नगरपालिका परिषद का शताब्दी वर्ष शुजालपुर के हर नागरिक के सम्मान का उत्सवः मुख्यमंत्री यादव

भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नगरपालिका परिषद का शताब्दी वर्ष शुजालपुर के हर नागरिक के सम्मान का उत्सव है। यह हमारी विरासत, उपलब्धियों और सामूहिक संकल्प का पर्व है। जटाशंकर महादेव की असीम कृपा से शुजालपुर नगरपालिका ने जन सेवा और लोक कल्याण के 100 वर्ष पूर्ण किए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुजालपुर नगरपालिका के नए भवन के लिए 3 करोड़ रुपए और नगरपालिका क्षेत्र में सड़कों सहित अन्य विकास कार्य के लिए दो करोड़ रुपए नगरपालिका परिषद शुजालपुर को उपलब्ध कराने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को शुजालपुर नगरपालिका परिषद के 100 वर्ष पूर्ण होने पर शुजालपुर में आयोजित शताब्दी वर्ष समारोह को मंत्रालय भोपाल से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। शुजालपुर में हुए कार्यक्रम में उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह सिंह परमार, नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती बबीता परमार उपस्थित रही।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शुजालपुर में स्वच्छता से संबंधित गतिविधियों में निरंतर प्रगति हो रही है। नगर को राष्ट्रीय रैंकिंग में और बेहतर स्थान पर लाने के लिए आगामी वर्षों में अतिरिक्त प्रयास किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि गत 2 वर्षों में शुजालपुर में ऑडिटोरियम और सीसी रोड के लिए 5 करोड़ रुपए, कायाकल्प योजना के अंतर्गत सड़क निर्माण के लिए 6 करोड़ 60 लाख रुपए, अमृत 2 के अंतर्गत जलप्रदाय के लिए 12 करोड़ रुपए की राशि उपलब्ध कराई गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शुजालपुर वीरों की भूमि रही है। जब पेशवा बाजीराव प्रथम ने मालवा में विजय का परचम लहराया तब शुजालपुर उनकी रणनीतिक प्राथमिकता में था। इस पावन धरा पर पेशवाओं की सेना का नेतृत्व करते हुए राणो जी शिंदे ने मातृभूमि के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। उनकी स्मृति में बना भव्य शिव मंदिर और ऐतिहासिक छतरी आज भी हमें शौर्य की प्रेरणा देते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शौर्य और संकल्प की नींव पर आज से ठीक 100 वर्ष पहले 1926 में नगरपालिका परिषद का गठन शुजालपुर में हुआ था। एक उज्जवल भविष्य का संकल्प आज वट वृक्ष बन चुका है। वर्तमान में शुजालपुर विकास का मॉडल बन रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य में जारी गतिविधियों के परिणाम स्वरूप शुजालपुर क्षेत्र में सड़कों, स्वास्थ्य, शिक्षा सुविधाओं, व्यापार-व्यवसाय गतिविधियों आदि में निरंतर प्रगति हो रही है। परिषद के माध्यम से राज्य सरकार हर घर तक सड़क-बिजली और पानी पहुंचाने के संकल्प को सिद्ध कर रही है। शहर की पेयजल समस्या का समाधान काफी हद तक करने का प्रयास किया गया है। नगर में 21 करोड़ 55 लाख रुपए की लागत से जमघड़ नदी को साफ रखने की तैयारी है। यह पहल आने वाली पीढ़ियों के लिए एक उपहार के समान होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुजालपुर को विकास के शिखर पर ले जाने के लिए जन भागीदारी को प्रोत्साहित करने का आहवान किया। उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में गत 2 वर्षों में विकास और जनकल्याण की दृष्टि से क्षेत्र का कायाकल्प हुआ है। मंत्री श्री परमार ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव से नए और बड़े बस स्टैंड के लिए भूमि आवंटित करने का अनुरोध किया। कार्यक्रम को नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती बबीता परमार ने भी संबोधित किया।

मुख्यमंत्री ने वन विभाग के विजन डाक्यूमेंट का किया मुख्यमंत्री निवास में विमोचन

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वन विभाग द्वारा प्रकाशित ÷विजन 2047 रीइमैजिनिग फॉरेस्ट रिसोर्सेस फॉर ए क्लाइमेट रेसिलियंट फ्यूचर÷ पुस्तक का मुख्यमंत्री निवास में विमोचन ककिया ÷विजन2047÷ राज्य में जैव विविधता समृद्ध, सामुदायिक सहभागिता आधारित वन प्रबंधन की दीर्घकालिक रूपरेखा प्रस्तुत करता है। प्रमुख सचिव वन संदीप यादव ने बताया कि प्रदेश के वनों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जलवायु-सहिष्णु तथा जैव-विविधता से समृद्ध आदर्श वनों के रूप में स्थापित करना विजन2047 का लक्ष्य है। दृष्टि पत्र में वनों के संरक्षण और प्रबंधन में स्थानीय समुदायों की भागीदारी को प्रोत्साहित करने को विशेष रूप से रेखांकित

किया गया है। दृष्टि पत्र में स्पष्ट किया गया है कि आजीविका को सुरक्षित करने में सक्षम, समृद्ध पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में प्रदेश के वनों का संरक्षण किया जाएगा। दृष्टि पत्र में प्रदेश के वन क्षेत्र में स्थित प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण के लिए किए जाने वाले प्रयासों को भी रेखांकित किया गया है। उन्होंने बताया कि वन विभाग का यह दृष्टि पत्र भारत के पर्यावरणीय तथा विकास लक्ष्यों में निर्णायक योगदान देगा।

पकरिहा में अवैध रेत परिवहन पर कार्रवाईः ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त, चालक व मालिक पर केस दर्ज

संभागीय संवाददाता -राजू राय

। जिले के केशवाही पुलिस ने अवैध रेत उत्खनन और परिवहन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त की है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने ग्राम पकरिहा में दबिश दी, जहां महिंद्रा कंपनी का ट्रैक्टर क्रमांक सीजी-31-सी 2545 ट्रॉली में रेत लोड कर परिवहन करते पाया गया। जांच के दौरान ट्रैक्टर चालक पारस केवट (25) पिता मिठाई लाल केवट तथा वाहन स्वामी विष्णुकांत शुक्ला, दोनों निवासी ग्राम पकरिहा चौकी केशवाही थाना बुढार जिला शहडोल, के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) एवं खनिज अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया। पुलिस ने रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर लिया है और मामले की विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार क्षेत्र में अवैध खनन और परिवहन पर लगातार

निगरानी रखी जा रही है तथा ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी। उक्त कार्रवाई थाना प्रभारी बुढार के निर्देशन में की गई, जिसमें प्रधान आरक्षक राजभान सिंह, आरक्षक उमेश राठौर एवं गणेश सिंह की सराहनीय भूमिका रही।

धनपुरी के आजाद दफाई में गंदगी का अंबार श्यामा गार्डन के पीछे सड़कों पर सड़ रहा कचरा, बीमारी और हादसों का खतरा बढ़ा

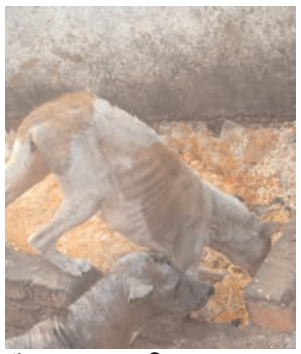

कैलाश कुमार अहिरवार - सह संपादक

नगर पालिका धनपुरी के स्वच्छता दावों की वास्तविक तस्वीर इन दिनों श्यामा गार्डन के पीछे स्थित आजाद दफाई क्षेत्र में देखने को मिल रही है, जहां मुख्य सड़क कचरे और सड़े-गले भोजन के ढेर में तब्दील हो चुकी है। शादी-विवाह कार्यक्रमों के बाद बचा हुआ जूठा खाना, डिस्पोजल सामग्री और अन्य अपशिष्ट खुलेआम सड़क पर फेंके जाने से पूरे इलाके में गंभीर स्वच्छता संकट पैदा हो गया है। स्थानीय रहवासियों के अनुसार कई दिनों से फैली बदबू के कारण लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया है और राहगीरों को नाक ढंककर रास्ता पार करना पड़ रहा है।

सड़क किनारे पड़े सड़े भोजन पर मक्खियों और आवारा जानवरों का जमावड़ा लगा रहता है, जिससे संक्रमण और बीमारियों के फैलने की आशंका लगातार बढ़ रही है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि गार्डन में आयोजित कार्यक्रमों के बाद कचरे के उचित निस्तारण की व्यवस्था नहीं की जाती, जिसके चलते पूरा इलाका दुर्गंध और गंदगी से प्रभावित रहता है। गर्म मौसम में सड़न तेज होने से आसपास का वातावरण प्रदूषित हो रहा है, जिससे बच्चों, बुजुर्गों और राहगीरों के स्वास्थ्य पर विपरीत असर पड़ने की चिंता जताई जा रही है।

सड़क पर फेंकी गई जूठन खाने के लिए बड़ी संख्या में बेसहारा मवेशी बीच रास्ते पर जमा रहते हैं। इससे यातायात प्रभावित हो रहा है और दोपहिया वाहन चालकों के लिए दुर्घटना का खतरा बना रहता है। वहीं भोजन के साथ फेंके गए प्लास्टिक और अन्य हानिकारक कचरे को खाकर मवेशियों की जान भी जोखिम में पड़ रही है, जो लापरवाही का गंभीर पहलू माना जा रहा है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि सफाई कर्मचारी समय-समय पर सफाई करते हैं, लेकिन कुछ ही घंटों में दोबारा कचरा फेंक दिए जाने से स्थिति जस की तस हो जाती है। लोगों ने नगर पालिका प्रशासन से मांग की है कि सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकने वालों पर निगरानी बढ़ाई जाए और मैरिज गार्डनों के लिए ठोस कचरा प्रबंधन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि क्षेत्र में स्वच्छता और स्वास्थ्य सुरक्षा बनी रह सके।

आजाद दफाई की यह स्थिति नगर में चल रहे स्वच्छता अभियान की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े कर रही है और जिम्मेदार एजेंसियों से तत्काल ठोस एवं स्थायी समाधान की अपेक्षा की जा रही है।

खेल समाचारः बाघा 11 के सिर सजा जीत का ताज, कुदरी में क्रिकेट का महाकुंभ संपन्न!

कैलाश कुमार अहिरवार - सह संपादक (युवा प्रदेश)

कुदरी। मैदान छोटा हो या बड़ा, जज्बा बड़ा होना चाहिए।÷ इसी जज्बे के साथ जय मां बिरासिनी क्रिकेट क्लब टूर्नामेंट (सीजन 01) का फाइनल मुकाबला बाघा 11 और कुदरी 11 के बीच खेला गया। 12 ओवरों के इस कड़े मुकाबले में बाघा 11 ने अपने बेहतरीन खेल के दम पर खिताबी जीत दर्ज की।

मैच की मुख्य झलकियां

कांटे की टक्कर- कुदरी 11 ने अंत तक हार नहीं मानी और उपविजेता का गौरव हासिल किया। अतिथियों का जमावड़ा-मुख्य अतिथि और सरपंच राम प्रसाद सिंह (वरिष्ठ समाजसेवी) के साथ कैलाश कुमार अहिरवार (जिला अध्यक्ष, आजाद समाज पार्टी) ने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। अतिथियों ने कहा कि ऐसे आयोजनों से ग्रामीण प्रतिभाओं को बड़ा मंच मिलता है।

?? इन कंधों पर थी जिम्मेदारी (आयोजन समिति) इस सफल आयोजन के पीछे चिंटू मिश्रा, पंकज वर्मन, रामटहल रैदास, पुरुषोत्तम पाव और उनकी पूरी टीम की कड़ी मेहनत रही।

चंद्रमा अहिरवार, विनय मिश्रा, अमित अंबेडकर, दीपक अहिरवार, राकेश पांडेय, विनय मिश्रा और विवेक गुप्ता सहित दर्जनों सहयोगियों ने दिन-रात एक कर इस टूर्नामेंट को यादगार बना दिया।

दर्शकों का उत्साहः मैच के दौरान कमेंट्री और खिलाड़ियों के चौके-छक्कों पर दर्शकों का उत्साह देखते ही बनता था। आस-पास के गांवों से आए सैकड़ों खेल प्रेमियों ने इस ऐतिहासिक मैच का आनंद लिया।

हार तो केवल एक सबक है, असली जीत तो खेल भावना की हुई है। आयोजन समिति, जय मां बिरासिनी क्रिकेट क्लब।

कूनो नदी में रिलीज किये अलग अलग प्रजाति के घड़ियाल और कछुए

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में घड़ियाल और कछुओं का संरक्षण एवं संवर्धन किया जा रहा है। विलुप्त होते जीवों के संरक्षण के संकल्प के साथ मध्यप्रदेश सरकार कार्य कर रही है।मध्यप्रदेश में पर्यटन के क्षेत्र में प्रगति हो रही है। चीता प्रोजेक्ट सफलता की ओर आगे बढ़ रहा है। इससे प्रदेश में चीतों की संख्या बढ़कर 48 हो गयी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कूनो नेशनल पार्क स्थित कूनो नदी में घड़ियाल और कछुओं को रिलीज करने के बाद यह बात कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस वर्ष मध्यप्रदेश आने वाले सैलानियों की संख्या में भी वृद्धि हुई है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कूनो नेशनल पार्क स्थित कूनो नदी में 53 घड़ियाल और 25 कछुए नदी में रिलीज किये। गेवेलियस गेंगेटिक्स नाम के छोड़े गये 53 घड़ियाल में से 28 नर एवं 25 मादा शामिल हैं। इसी प्रकार 25 कछुए श्री स्ट्रिप्ड रूफ टर्टल प्रजाति के हैं, जिनका वैज्ञानिक नाम वाटागुरु डोगोका है।

बुढ़ार में आध्यात्मिक चेतना का महासंगम

भावनाओं को साधो, जीवन स्वयं प्रकाश बन जाएगा' - मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज

कैलाश कुमार अहिरवार - सह संपादक (युवा प्रदेश)

धनपुरी। नगर में चल रहे भव्य पंचकल्याणक महोत्सव के बीच विद्यासागर स्कूल में आयोजित पत्रकार वार्ता उस समय आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत हो उठी, जब प्रखर जैन संत मुनि श्री 108 प्रमाण सागर जी महाराज ने जीवन के गूढ़ सत्य को अत्यंत सरल शब्दों में प्रस्तुत किया।

अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा–

÷जीवन केवल शरीर और बुद्धि से संचालित नहीं होता, हमारे अस्तित्व की सबसे गहरी और सबसे शक्तिशाली धारा भावना है। भावनाएं ही जीवन की दिशा और दशा तय करती हैं। यदि ये विकृत हो जाएं तो जीवन अंधकार में चला जाता है, और यदि निर्मल हो जाएं तो वही जीवन आलोकित हो उठता है।÷

तकनीकी युग में आंतरिक रिक्तता

मुनि श्री ने वर्तमान समय की विडंबना पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज मनुष्य साधनों में समृद्ध है, पर संतोष में निर्धन होता जा रहा है। आधुनिक तकनीक, संसाधन और सुविधाएं होने के बावजूद व्यक्ति तनाव, अकेलेपन और मानसिक अशांति से ग्रस्त है। उन्होंने स्पष्ट कहा–÷हमने बाहरी साधनों को तो साथ ले लिया, पर अपनी भावनाओं को साधने की कला खो दी।

पंचकल्याणक- केवल अनुष्ठान नहीं, आत्मजागरण का अभियान

मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज ने बताया कि पंचकल्याणक महोत्सव मात्र धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि का महापर्व है। इसका मूल उद्देश्य व्यक्ति के अंतर्मन को परिष्कृत करना और समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करना है।

उन्होंने कहा कि भावना एक अदृश्य शक्ति है, जो हमारे विचार, निर्णय और आचरण को दिशा देती है। जब भावना पवित्र होती है, तब जीवन स्वयं एक प्रेरणा बन जाता है। पत्रकारों से आत्मीय संवाद, पुस्तक भेंट की और अपनी आशीर्वाद दिए

पत्रकारों के विभिन्न प्रश्नों का उत्तर देते हुए मुनि श्री ने जीवन के व्यावहारिक पक्षों पर भी प्रकाश डाला। इस अवसर पर उन्होंने अपनी प्रेरक कृति ÷जीवन जीवन की एबीसीडी÷ पत्रकारों को भेंट की, जिसमें जीवन के मूल सूत्रों को सरल, सारगर्भित और व्यवहारिक शैली में प्रस्तुत किया गया है। कार्यक्रम में प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधि–कैलाश लालवानी, अजय नामदेव, राजू अग्रवाल, मुरलीधर त्रिपाठी, मोहन नामदेव, , गंगाधर चौधरी, दिनेश चौधरी, शिवम कुशवाहा ब्रिजेश शर्मा विजय तिवारी जीवन यादव आशीष नामदेव सहित अनेक पत्रकार उपस्थित रहे। बुढ़ार की पावन धरती पर चल रहा यह पंचकल्याणक महोत्सव न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक बन रहा है, बल्कि समाज को आत्मचिंतन, संयम और भावनात्मक शुद्धता का सशक्त संदेश भी दे रहा है।

फर्जी दस्तावेज़ लगाकर कार्य कराने के संबंध में कानूनी बिंदु

यह कि यदि कोई व्यक्ति किसी सरकारी अथवा निजी कार्य को कराने के उद्देश्य से जानबूझकर फर्जी अथवा कूटरचित दस्तावेज़ तैयार करता है या ऐसे फर्जी दस्तावेज़ को असली बताकर प्रस्तुत करता है, तो यह कृत्य कानूनन अपराध है। ऐसा कृत्य Bharatiya Nyaya Sanhita, 2023 के अंतर्गत दंडनीय है। विशेष रूप से, फर्जी दस्तावेज़ तैयार करना धारा 336 6जालसाजी8के अंतर्गत आता है तथा ऐसे कूटरचित दस्तावेज़ को वास्तविक के रूप में प्रयोग करना धारा 340 के अंतर्गत अपराध माना जाता है। 1 यदि कोई व्यक्ति फर्जी दस्तावेज़ के आधार पर किसी प्रकार का लाभ प्राप्त करता है या किसी प्राधिकरण को गुमराह करता है; तो उसके विरुद्ध उपर्युक्त धाराओं के तहत आपराधिक कार्यवाही की जा सकती है तथा उसे विधि के अनुसार दंडित किया जा सकता है/

शहडोल ऑनलाइन गेम मामला: आठ दिन बाद मां ने तोड़ा दम, बेटी और पिता की पहले हो चुकी है मौत; अब 15 साल का बेटा बचा

संभागीय संवाददाता -राजू राय

शहडोल में ऑनलाइन गेमिंग की लत ने एक परिवार को तबाह कर दिया। कर्ज में डूबे शंकर लाल गुप्ता ने कोल्ड ड्रिंक में जहर मिलाकर पत्नी और बेटी को पिला दिया। तीनों अस्पताल पहुंचे, जहां इलाज के दौरान अब मां सहित तीनों की मौत हो गई। ऑनलाइन गेमिंग की लत ने शहडोल में एक हंसते-खेलते परिवार को हमेशा के लिए उजाड़ दिया। कोतवाली थाना क्षेत्र की पुरानी बस्ती स्थित सत्यम वीडियो के पास 24 फरवरी की दरमियानी रात हुई इस दर्दनाक घटना में अब तीसरी मौत भी हो गई है। मेडिकल कॉलेज शहडोल में आठ दिनों तक जिंदगी और मौत से जूझने के बाद मां राजकुमारी ने भी दम तोड़ दिया। इससे पहले 25 फरवरी को पिता शंकर लाल गुप्ता और बेटी स्वाति गुप्ता की मौत हो चुकी थी।पुलिस के अनुसार पुरानी बस्ती निवासी शंकर लाल गुप्ता को ऑनलाइन क्रैश और एविएटर (Aviator) गेम की लत लग गई थी। बताया जा रहा है

कि इस गेम में वह लगातार पैसे हारते गए और लाखों रुपये के कर्ज में डूब गए। आर्थिक दबाव और मानसिक तनाव के चलते उन्होंने 24 फरवरी की रात एक खौफनाक कदम उठा लिया। आरोप है कि शंकर लाल ने कोल्डड्रिंक में जहर मिलाकर पहले अपनी पत्नी राजकुमारी और बेटी स्वाति को पिला दिया, इसके बाद खुद भी वही जहरीला पेय पी लिया। कुछ ही देर में तीनों की हालत बिगड़ने लगी। परिजनों और पड़ोसियों की मदद से उन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में इलाज के दौरान 25 फरवरी को शंकर लाल गुप्ता और उनकी बेटी स्वाति गुप्ता ने दम तोड़ दिया था, जबकि राजकुमारी का इलाज मेडिकल कॉलेज में चल रहा था। करीब आठ दिनों तक जिंदगी से जंग लड़ने के बाद आखिरकार राजकुमारी भी मौत के आगे हार गई। इस हृदय विदारक घटना के बाद परिवार में अब केवल 15 वर्षीय बेटा अनिकेत गुप्ता ही बचा है। घटना के समय वह घर पर मौजूद नहीं था, जिसके कारण वह जहरीला पेय पीने से बच गया और उसकी जान बच गई। इस दर्दनाक हादसे ने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया है और ऑनलाइन गेमिंग व सट्टा जैसे प्लेटफॉर्म की खतरनाक लत को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। एक गलत फैसले ने पूरे परिवार को खत्म कर दिया और पीछे छोड़ गया एक मासूम बेटे का अकेलापन।

एम्स भोपाल में द्विभाषी पुस्तक शरीर क्रिया विज्ञान में बहुविकल्पीय प्रश्न का विमोचन

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

एम्स भोपाल में चिकित्सा शिक्षा को सशक्त बनाने की दिशा में द्विभाषी पुस्तक ÷शरीर क्रिया विज्ञान में बहुविकल्पीय प्रश्न मल्टिपल चॉइस क्वेश्चन्स इन फिजियोलॉजी÷ का विमोचन किया गया, जो चिकित्सा विद्यार्थियों के लिए उपयोगी अध्ययन सामग्री साबित होगी। पुस्तक के लेखक डॉ. वरुण मल्होत्रा (अतिरिक्त प्रोफेसर, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, एम्स भोपाल) और डॉ. ज्योति केसवानी (प्रोफेसर एवं योग विभाग की प्रमुख, संत हिरदाराम मेडिकल कॉलेज ऑफ नेचुरोपैथी एंड योग) हैं। पुस्तक का विमोचन एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक एवं सीईओ, प्रो. (डॉ.) माधवानन्द कर की उपस्थिति में हुआ, तथा कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, एम्स भोपाल भी उपस्थित रहे। पुस्तक में शरीर के विभिन्न तंत्रों पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के साथ स्पष्ट एवं विस्तृत व्याख्यात्मक उत्तर दिए गए हैं, जिससे विद्यार्थियों को विषय की गहरी समझ विकसित करने में मदद मिलेगी। यह पुस्तक स्मरण आधारित अध्ययन के बजाय अवधारणात्मक अध्ययन को प्रोत्साहित करती है तथा द्विभाषी प्रारूप हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में उपलब्ध होने के कारण स्नातक, स्नातकोत्तर और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए समान रूप से उपयोगी है।

महेश साहू बने तेलिक साहू सभा के विवाह प्रकोष्ठ प्रभारी

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

रायसेन। महेश साहू सुल्तानपुर को मध्य प्रदेश तेलिक साहू सभा मैं प्रदेश विभाग प्रकोष्ठ की जिम्मेदारी सोफे पर जाने पर समाज जनों में उत्साह का माहौल है प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश साहू एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ताराचंद साहू के नेतृत्व में जिम्मेदारी दी गई उनकी नियुक्ति से समाज में हर्ष और उत्साह का वातावरण है समाज के वरिष्ठ जनों ,एवं पदाधिकारी ने विश्वास व्यक्त किया है कि श्री साहू के नेतृत्व में संगठन को नई दिशा और मजबूती मिलेगी श्री साहू लंबे समय से समाज सेवा एवं संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं उनकी कार्यशैली समर्पण एवं नेतृत्व क्षमता को देखते हुए उनको यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंप गई इस अवसर पर समाज की अनेक पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिकों ने उन्हें शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित की .

भारत का फ्रांस के साथ फ्यूचर कॉम्बैट एयर सिस्टम में शामिल होने का प्रस्ताव

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

फरवरी में बेंगलुरु में आयोजित छठे भारत-फ्रांस वार्षिक रक्षा वार्ता में, भारत ने फ्रांस के अत्याधुनिक छठी पीढ़ी के लड़ाकू जेट कार्यक्रम में शामिल होने में अपनी रुचि व्यक्त की।इस प्रस्ताव पर भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा आयोजित एक बैठक में चर्चा की गई, जिसमें फ्रांस की सशस्त्र सेना और वयोवृद्ध मामलों की मंत्री कैथरीन वाउटरिन भी उपस्थित थीं।भारत और फ्रांस ने 10 वर्षों के लिए रक्षा सहयोग का नवीनीकरण किया, सैन्य साझेदारी को बढ़ावा देने का आह्वान किया आधिकारिक सूत्रों के अनुसार ने फ्यूचर कॉम्बैट एयर सिस्टम (एफसीएएस) कार्यक्रम के तहत छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमान के सह-विकास और सह-निर्माण में भाग लेने के भारत के इरादे को प्रस्तुत किया। इस महत्वाकांक्षी परियोजना को मूल रूप से फ्रांस और जर्मनी ने 2017 में शुरू किया था, जिसमें स्पेन 2019 में शामिल हुआ। भारत की भागीदारी नई दिल्ली और पेरिस के बीच रक्षा-औद्योगिक सहयोग के महत्वपूर्ण विस्तार का प्रतीक होगी। एफसीएएस कार्यक्रम का उद्देश्य मानवरहित प्रणालियों और उन्नत नेटवर्क-केंद्रित युद्ध क्षमताओं द्वारा समर्थित छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमान पर केंद्रित अगली पीढ़ी की हवाई युद्ध प्रणाली विकसित करना है।उन्नत लड़ाकू विमानों के सहयोग पर चर्चा के अलावा, भारत ने फ्रांस को भारत की स्वदेशी पिनाका मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर (एमबीआरएल) प्रणाली के निर्यात का प्रस्ताव भी रखा। सूत्रों ने बताया कि संभावित बिक्री पर बातचीत

सकारात्मक रूप से आगे बढ़ी है। एक सूत्र के अनुसार बैठक के प्रमुख बिंदुओं में से एक था भारत के पिनाका मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर के फ्रांस को निर्यात के लिए बातचीत की जा रही है और इस पर चर्चा सकारात्मक रही। भारत द्वारा छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमानों के विकास में सहयोग को बढ़ावा देना ऐसे समय में हो रहा है जब वह अपने स्वयं के पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ कार्यक्रम, एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) को आगे बढ़ा रहा है। मई 2025 में, सरकार ने एएमसीए के विकास को मंजूरी दी, जिसकी पहली उड़ान 2028-29 के आसपास होने की उम्मीद है और 2035 तक इसे सेवा में शामिल करने की योजना है। भारत ने पहली बार एएमसीए के लिए निजी कंपनियों से बोली आमंत्रित की है। भारत द्वारा रूस के साथ संयुक्त पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान (एफजीएफए) परियोजना के माध्यम से पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान कार्यक्रम का पूर्व प्रयास विभिन्न मुद्दों के कारण 2018 में बंद कर दिया गया था। इस बीच, भारत का रक्षा निर्यात रिकॉर्ड 23,620 करोड़ रुपये के उच्च स्तर पर पहुंच गया है। यह संयुक्त राज्य अमेरिका, फ्रांस और आर्मेनिया सहित 100 से अधिक देशों को निर्यात करता है। सरकार का लक्ष्य 2029 तक 3 लाख करोड़ रुपये के रक्षा विनिर्माण और 150,000 करोड़ रुपये के रक्षा निर्यात का लक्ष्य हासिल करना है।

ग्राम पलासी में रासेयो का सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन

पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम ।

शासकीय विधि महाविद्यालय, नर्मदापुरम की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा ग्राम पलासी में आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर का सफलतापूर्वक समापन हो गया। यह शिविर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ कल्पना भारद्वाज तथा शिवाकांत मौर्य के मार्गदर्शन में, तथा कार्यक्रम अधिकारी डॉ. महेंद्र कुमार पटेल के संयोजकत्व एवं शिविर नायक आनंद सिंह के नेतृत्व में आयोजित किया गया। शिविर के दौरान शिविर प्रशिक्षण की जिम्मेदारी स्वयंसेवक जुगल किशोर ,शुभम केवट,एवं रोहित नोरिया द्वारा निभाई गई। समापन समारोह की शुरुआत में राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. महेंद्र कुमार पटेल द्वारा प्रतिवेदन वाचन के साथ हुई। उन्होंने सात दिवसीय शिविर के दौरान आयोजित विभिन्न गतिविधियों की विस्तृत जानकारी मुख्य अतिथियों एवं उपस्थितजनों को दी। अपने प्रतिवेदन में उन्होंने बताया कि शिविर के अंतर्गत नशामुक्ति, यातायात जागरूकता, स्वच्छता अभियान, जनजागरूकता रैली,डिजिटल साक्षरता पर बौद्धिक सत्र, पर्यावरण संरक्षण गतिविधियाँ, ग्रामीणों से संवाद एवं सामाजिक मुद्दों विशेषकर विधिक सहायता प्रकोष्ठ के संयोजक डा अभिषेक सिंह के नेतृत्व में विधिक साक्षरता रैली को शिविर की विशेष उपलब्धि बताया,तथा शिविर से जुड़े अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ कामिनी जैन प्राचार्य शासकीय गृह विज्ञान (अग्रणी) स्नातकोत्तर महाविद्यालय, एवं विशेष अतिथि में राष्ट्रीय सेवा योजना जिला समन्वयक डा. डी.एस. खत्री, डॉ हर्षा चचाने शासकीय गृह विज्ञान (अग्रणी) स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नर्मदापुरम रहे।

मुख्य अतिथियों में डॉ कामिनी जैन ने अपने संबोधन में स्वयंसेवकों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविर विद्यार्थियों में सेवा, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करते हैं। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्र में जागरूकता विशेषकर विधिक जागरूकता लाने के लिए स्वयंसेवकों के प्रयासों को सराहनीय बताया। डॉ डी.एस.खत्री जी अपने उद्बोधन में कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का मुख्य उद्देश्य समाज सेवा है ,आप सभी को भविष्य के अधिवक्ता हैं, इसलिए रासेयो से जुड़कर सेवा, अनुशासन और सामाजिक

उत्तरदायित्व की भावना विकसित करें। समाज की समस्याओं को समझकर न्याय और जागरूकता फैलाना भी आपकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। शासकीय गृह विज्ञान अग्रणी महाविद्यालय की कार्यक्रम अधिकारी डि हर्षा चचाने ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व का विकास करती है। उन्होंने स्वयंसेवकों को प्रेरित करते हुए कहा कि यह प्रथम आवासीय शिविर आपके व्यक्तित्व निर्माण का महत्वपूर्ण अवसर है। सभी स्वयंसेवकों को उन्होंने सफल, अनुशासित एवं प्रेरणादायक शिविर के लिए शुभकामनाएँ दीं। महाविद्यालय के प्राचार्य शिवाकांत मौर्य ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह हमारा पहला शिविर है हमने अग्रणी महाविद्यालय के सहयोग से संचालित करने का प्रयास किया है, और सत्र 2023-24 से संचालित हमारा महाविद्यालय अग्रणी महाविद्यालय की प्राचार्य डा कामिनी जैन मैम के अथक प्रयासों से संभव हो पाया आपको बहुत बहुत आभार व्यक्त करता हूं, तथा स्वयंसेवकों के अनुशासन को सराहा। स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के संयोजक राजदीप सिंह भदौरिया ने अपने उद्बोधन में शिविर के बारे में स्वयंसेवकों की टीम भावना को सराहा और कहा ऐसे शिविर आपकी व्यावसायिकता में उपयोगी सिद्ध होंगे।

समापन समारोह स्वयंसेवक राजकुमार रहबड़ा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान शिविर में सक्रिय सहभागिता करने वाले सभी स्वयंसेवकों को प्रमाण-पत्र वितरित कर सम्मानित किया गया। प्रमाण-पत्र प्राप्त कर स्वयंसेवकों में उत्साह और गर्व का वातावरण देखा गया। समापन समारोह में शासकीय प्राथमिक शाला, पलासी के बच्चों द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिन्होंने कार्यक्रम को और भी जीवंत बना दिया। बच्चों की प्रस्तुतियों को उपस्थित अतिथियों एवं ने खूब सराहा एवं साथ ही स्वयं सेवकों के द्वारा बच्चों को धन राशि देकर सम्मानित भी किया गया। शिविर में प्राथमिक शाला पलासी से एल.एन. राजपूत, डॉ. ओम शर्मा, डॉ. हरिप्रकाश मिश्रा ,अरुणिका जैन तथा स्वास्थ्य विभाग से डा अंशुल चौरे एवं नीलेश राठौर की गरिमामय उपस्थिति रही। शिविर में सहभागिता करने वाले स्वयंसेवकों में चेतन मालवीय, राज रघुवंशी, पीयूष शर्मा, राहुल कीर, सत्यम तिवारी, विजय राजोरिया, राजकुमार रहेड़वा,पंकज कौशल,श्रेयांस मिश्रा सचिन खरे, लखन राजीव सौरभ अनुराग सहित अन्य स्वयंसेवक शामिल रहे। कार्यक्रम का मंच संचालन शुभम केवट एवं आभार रोहित नोरिया के द्वारा किया गया ।

ऑनलाइन गेम ने पूरा परिवार उजड़ गया, पिता, बेटी के बाद इलाजरत पत्नी की हुई मौत, बच गया पुत्र

शहडोल।

ऑनलाइन गेमिंग की लत ने शहडोल में एक हंसते-खेलते परिवार को हमेशा के लिए उजाड़ दिया।

कोतवाली थाना क्षेत्र की पुरानी बस्ती स्थित सत्यम वीडियो के पास 24 फरवरी की दरमियानी रात हुई इस दर्दनाक घटना में अब तीसरी मौत भी हो गई है। मेडिकल कॉलेज शहडोल में आठ दिनों तक जिंदगी और मौत से जूझने के बाद मां राजकुमारी ने भी दम तोड़ दिया। इससे पहले 25 फरवरी को पिता शंकर लाल गुप्ता और बेटी स्वाति गुप्ता की मौत हो चुकी थी।

पुलिस के अनुसार पुरानी बस्ती निवासी शंकर लाल गुप्ता को ऑनलाइन क्रिकेट और एविएटर (Aviator) गेम की लत लग गई थी। बताया जा रहा है कि इस गेम में वह लगातार पैसे हारते गए और लाखों रुपये के कर्ज में डूब गए। और खौफनाक कदम उठा लिया। आरोप है कि शंकर लाल ने कोल्डड्रिंक में जहर मिलाकर पहले अपनी पत्नी राजकुमारी और बेटी स्वाति को पिला दिया, इसके बाद खुद भी वही जहरीला पेय पी लिया। कुछ ही देर में तीनों की हालत बिगड़ने लगी।

परिजनों और पड़ोसियों की मदद से उन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में इलाज के दौरान 25 फरवरी को शंकर लाल गुप्ता और उनकी बेटी स्वाति गुप्ता ने दम तोड़ दिया था, जबकि राजकुमारी का इलाज मेडिकल कॉलेज में चल रहा था। करीब आठ दिनों तक जिंदगी से जंग लड़ने के बाद आखिरकार राजकुमारी भी मौत के आगे हार गई।इस हृदय विदारक घटना के बाद परिवार में अब केवल 15 वर्षीय बेटा अनिकेत गुप्ता ही बचा है। घटना के समय वह घर पर मौजूद नहीं था, जिसके कारण वह जहरीला पेय पीने से बच गया और उसकी जान बच गई।

शिकार के लिए लगाए सामग्री सहित एक आरोपी गिरफ्तार दो की तलाश जारी

अनूपपुर / कोतमा

कोतमा के देवरी वन बीट के अमलाई गांव से लगे जंगल में जंगली जानवर के शिकार के लिए लगाए गये जी,आई,तार लकड़ी की खूंटी एवं कांच की छोटी शीशियों सहित एक आरोपी को वन विभाग कोतमा द्वारा पकड़ा जिसे मंगलवार को कोतमा न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

घटना के सम्बन्ध में वन परिक्षेत्र अधिकारी कोतमा हरीश तिवारी ने बताया कि 2 मार्च की रात वन परिक्षेत्र कोतमा के देवरी बीट के क्रमांक 432 के समीप राजस्व से वन क्षेत्र से निकलने वाली 11 के,व्ही,विद्युत लाइन से अज्ञात व्यक्तियों द्वारा जंगली जानवरों के शिकार हेतु लकड़ी की खूटी जिसमें कांच की शिशियो में जी,आई,तार बांधकर लगभग 1 किलोमीटर दूर तक फैलाया गया रहा की सूचना गस्ती के दौरान बीट प्रभारी देवरी उत्तम कुमार सिंह को मिलने पर खोजबीन दौरान शिकार के लिए फैलाए गए सामग्री के साथ अज्ञात व्यक्तियों की तलाश स्थल पर किए जाने पर अंधेरे का फायदा उठाते हुए आरोपी भागने लगे इस दौरान रमेश पिता शिव प्रसाद यादव निवासी अमलाई को पकड़ कर पूछताछ करते हुए रमेश यादव के निशानदेही पर स्थल से 92 नग लकड़ी की खूटी,111 नाग कांच की सीसी एवं 1101 मीटर लंबा जी,आई,तार जप्त किया गया इस दौरान शिकार के प्रयास में संबंध दो अन्य आरोपी भागने में सफल रहे जिनकी तलाश की जा रही है शिकार के प्रयास हेतु बिछाए गए जाल के आरोपियों के विरुद्ध वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के साथ वन अपराध प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार किए गए आरोपी को रमेश यादव को कोतमा न्यायालय में प्रस्तुत किया गया इस संबंध में वरिष्ठ वन अधिकारियों को घटना के संबंध में अवगत कराए जाने पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश अनुसार कार्यवाही की गई।

देवरी बीट से लगे वन क्षेत्र में जंगली सूअर,सियार,लोमड़ी के साथ कभी-कभी भालू के साथ अन्य वन्यप्राणियों विचरण क्षेत्र हैं।

उक्त कार्रवाई में वन परिक्षेत्र अधिकारी कोतमा हरीश तिवारी, परिक्षेत्र सहायक कोतमा जे डी धारवे, बीट गार्ड देवरी उत्तम कुमार सिंह बीट गार्ड लोढ़ी रमेश प्रसाद अहिरवार और अंशकालिक सुरक्षा श्रमिक धनराम प्रजापति की भूमि

सिर्फ महीने में उगाही के लिए आयोजित की जाती है समीक्षा बैठक, निगरानी और मॉनिटरिंग सिर्फ कागजों

संभागीय संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन एवं विकास कार्यालय बना शोपीस

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

अनूपपुर-- शहडोल संभाग की नवगठित निकायों खासकर कोयलांचल क्षेत्र की निकायों का नगरीय निकाय के वरिष्ठ अधिकारियों की कार्यशैली और अनदेखी की वजह से बुरा हाल है,शासन के विभिन्न योजनाओं के तहत चल रहे निर्माण कार्यों की निगरानी और मॉनिटरिंग सिर्फ कागजों में किए जाने से जमीनी स्तर पर विकास कार्यों का तेज गति से ना होना कहीं ना कहीं उच्च अधिकारियों की लापरवाही की ओर इंगित करता है, वैसे तो हर महीने समीक्षा बैठक संभागीय संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन एव विकास शहडोल में आयोजित की जाती है परंतु इस समीक्षा बैठक का क्या मतलब क्योंकि शासन की कई परियोजनाएं जो लंबित है वह आज भी वर्षों से लंबित ही हैं,उस पर कोई कार्यवाही नहीं होती और ना ही कोई निर्णय लिया जाता है,आखिर ऐसे में कैसे राज्य सरकार और केंद्र सरकार के द्वारा जन कल्याणकारी कार्य जो जमीनी स्तर पर जन हितैषी कराए जाने वाले कार्य हैं वह पूर्ण करने का सपना साकार हो पाएगा?

अनूपपुर जिले के नवगठित निकाय नगर परिषद डूमरकछार के अध्यक्ष एवं जिला योजना समिति के सदस्य डॉ. सुनील कुमार चौरसिया ने खुलासा करते हुए बताया कि जेडी कार्यालय के द्वारा सिर्फ खाना पूर्ति के समीक्षा बैठक की जाती है,यदि समीक्षा बैठक वास्तव में शासन की योजनाओं को जमीनी स्तर पर पहुंचाने और जनता को लाभ दिलाने के लिए की जाती तो कहीं ना कहीं इसका लाभ जमीनी स्तर पर नागरिकों को मिलता उदाहरण स्वरूप नगर परिषद डूमरकछार सहित संभाग की कई निकायों में शासन की जनहितैषी योजनाएं जो जेडी कार्यालय के नाकामयाबी की वजह से वर्षों से लंबित है,जिसका सीधा-सीधा असर जनता को मिलने वाले लाभ से है,जेडी कार्यालय का यह कृत्य कहीं ना कहीं निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की छवि खराब करने की ओर भी इंगित करता है श्री चौरसिया ने आरोप लगाते हुए कहा है कि सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार यह मासिक समीक्षा बैठक मात्र लिफाफों के लेनदेन के लिए आयोजित की जाती है, और बैठक के नाम पर अधिकारियों की निकाय से गायब रखने की योजना रहती है,बैठक के नाम पर अधिकारी एक दिन पहले और बैठक के एक दिन बाद लगातार लगभग तीन दिन तक निकायों से गायब रहते हैं जिससे निकाय के जनहितैषी कार्य प्रभावित होते हैं,यदि वास्तव में यह मासिक समीक्षा बैठक सरकार के कामों को जमीन तक उतारने के लिए की जाती तो निकायों

01– परियोजना अधिकारी
जिला शहरी विकास अभिकरण
जिला शहडोल/अनूपपुर/उमरिया (म0प्र0)

02– समस्त मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका/नगर परिषद
शहडोल संभाग (म0प्र0)

विषय – शहडोल संभाग की नगरीय निकायों मासिक समीक्षा बैठक दिनांक 27/02/2026 को आयोजित किए जाने बावत्।

—00—

उपरोक्त शहडोल संभाग की समस्त नगरीय निकायों की विभागीय कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक निम्नानुसार आयोजित की जाती है।

01– बैठक का दिनांक – 27.02.2026
02– बैठक का समय – दोपहर 12:00 बजे से।
03– बैठक का स्थान – संभागीय कार्यालय नगरीय प्रशासन एवं विकास शहडोल

उक्त बैठक हेतु समस्त व्यवस्था मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका परिषद शहडोल जिला शहडोल (म0प्र0) द्वारा किया जावेगा।

बैठक एजेन्डा बिन्दु निम्नानुसार है :–

भाग–01 सामान्य प्रशासन शाखा

1. समस्त प्रकार के करों की वसूली की प्रगति की समीक्षा।
2. सीएम हेल्पलाईन। (50, 100, 200, 300, 500, 1000 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों)/समाधान ऑनलाईन कार्यक्रम।
3. 15 वें एवं 16 वें वित्त आयोग का डाटा सिटी फाईनेंस पोर्टल पर अपलोड करना।
4. न्यायालयीन प्रकरणों की समीक्षा।
5. विभागीय जाँच के संबंध में समीक्षा।
6. अनुकम्पा नियुक्ति के लंबित प्रकरणों की समीक्षा।

भाग–02 तकनीकी शाखा

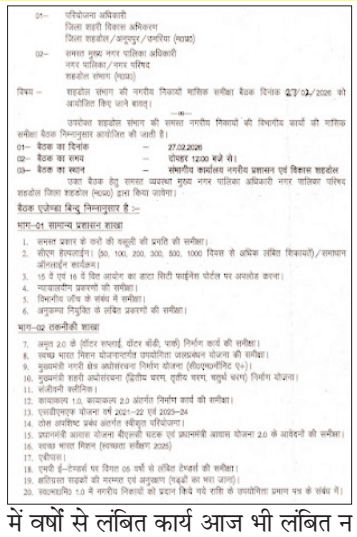

7. अमृत 2.0 के (वॉटर सप्लाई, वॉटर बॉडी, पार्क) निर्माण कार्य की समीक्षा।
8. स्वच्छ भारत मिशन योजनान्तर्गत उपयोगिता जलप्रबंधन योजना की समीक्षा।
9. मुख्यमंत्री नगरी क्षेत्र अधोसंरचना निर्माण योजना (सी0एम0फेनिट ए+)।
10. मुख्यमंत्री शहरी अधोसंरचना (द्वितीय चरण, तृतीय चरण, चतुर्थ चरण) निर्माण योजना।
11. संजीवनी क्लीनिक।
12. कायाकल्प 1.0, कायाकल्प 2.0 अंतर्गत निर्माण कार्य की समीक्षा।
13. एसडीएमएफ योजना वर्ष 2021–22 एवं 2023–24
14. ठोस अपशिष्ट प्रबंध अंतर्गत स्वीकृत परियोजना।
15. प्रधानमंत्री आवास योजना बीएलसी घटक एवं प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के आवेदनों की समीक्षा।
16. स्वच्छ भारत मिशन (स्वच्छता सर्वेक्षण 2025)
17. एबीपास।
18. एमपी ई–टेन्डर्स पर विगत 05 वर्षों से लंबित टेण्डर्स की समीक्षा।
19. क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत एवं अनुरक्षण (गड्ढों का भरा जाना)।
20. स्व0भा0मि0 1.0 में नगरीय निकायों को प्रदान किये गये राशि के उपयोगिता प्रमाण पत्र के संबंध में।

में वर्षों से लंबित कार्य आज भी लंबित न रहते। निर्माण कार्यों में विलंब एवं शासन-प्रशासन के द्वारा समय-समय पर जारी दिशा निर्देशों से निर्वाचित जनप्रतिनिधियां से ना ही कोई राय ली जाती है और ना ही कार्यों को जमीन पर उतारने के लिए कोई सकारात्मक पहल की जाती है,यहां तक की शासन के द्वारा आए पत्रों को स्थानीय सीएमओ कचरे के डब्बे में डाल देते हैं,और गलत रिपोर्ट डालकर उन पत्रों का जवाब दे दिया जाता है, जेडी कार्यालय में बैठे जेडी भी अपनी आंख बंद किए रहते हैं,आखिर आंख भी बंद क्यों ना हो,महीने में समीक्षा तो हो ही जा रही है और समीक्षा के बाद जो परिणाम सामने आ रहे हैं वह भी साहब की जेब गर्म करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं।

इतना ही नहीं इन मासिक समीक्षा बैठकों के जो बैठकें होती हैं इस बैठक में स्वल्पाहार या अन्य प्रकार के खर्च भी किसी ना किसी निकाय से ही वसूल किए जाते हैं यह कैसी समीक्षा बैठक। विश्वसनीय सूत्रों की माने तो जिन समीक्षा बैठकों का व्यय जेडी कार्यालय के द्वारा निकाय से लिया जाता है वह भी ऑन रिकॉर्ड वही व्यय इनके ऑफिस से भी भुगतान कराया जाता है आखिर एक ही बैठक का दो भुगतान कैसे।

इनका कहना है

समीक्षा बैठक प्रतिमाह संभागीय संयुक्त संचालक के द्वारा आयोजित की जाती है,तब भी शासन की ऐसी कई योजनाएं हैं जो जमीनीर स्तर पर अब तक शुरू हो जानी चाहिए थी या पूर्ण हो जानी चाहिए थी,शासन की योजनाओं से मिली राशि का सदुपयोग हो जाना चाहिए था परंतु ऐसा ना करके सिर्फ कागजी खाना पूर्ति अपने निजी स्वार्थ के लिए समीक्षा बैठक में की जाती है।

ग्राम नगुला से बुजुर्ग दंपत्ति लापता, जानकारी देने वाले को 21 हजार रुपये इनाम

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर /अनूपपुर/पुष्पराजगढ़।

जिले के पुष्पराजगढ़ तहसील अंतर्गत ग्राम नगुला, पोस्ट ऊफरी कला, थाना राजेंद्रग्राम से एक बुजुर्ग दंपत्ति संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गए हैं परिजनों द्वारा उनकी लगातार तलाश की जा रही है और जानकारी देने वाले को 21 हजार रुपये नगद इनाम देने की घोषणा की गई है

प्राप्त जानकारी के अनुसार भादरू सिंह (उम्र लगभग 85 वर्ष), पिता स्वर्गीय बुद्धू सिंह एवं उनकी पत्नी श्रीमती अमृत बाई (उम्र लगभग 70 वर्ष) दिनांक 04 मार्च 2026 को सुबह लगभग 7 बजे अपने घर ग्राम नगुला से पैदल निकले थे दोनों अपने साथ कपड़ों से भरा एक बैग भी लेकर गए थे

बताया गया है कि सुबह करीब 11 बजे के आसपास दोनों लेंदहरा स्थित बंगाली क्लीनिक पहुंचे, जहां उन्होंने अपना कपड़ों से भरा बैग क्लीनिक में रख दिया और इसके बाद कहीं चले गए इसके बाद से उनका कोई पता नहीं चल पाया है देर तक घर वापस न लौटने पर परिजनों ने आसपास के गांवों और संभावित स्थानों पर उनकी तलाश शुरू की, लेकिन अब तक कोई सुराग नहीं मिला है

घटना के बाद से परिजन एवं ग्रामीण लगातार उनकी खोजबीन में जुटे हुए हैं बुजुर्ग दंपत्ति के अचानक लापता होने से परिवार के लोग बेहद चिंतित हैं और क्षेत्र के लोगों से सहयोग की अपील कर रहे हैं

परिजनों ने अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति को उक्त बुजुर्ग दंपत्ति के संबंध में कोई भी जानकारी मिलती है तो तत्काल संपर्क कर सूचना दें जानकारी देने वाले व्यक्ति को 21,000 रुपये का नगद इनाम दिया जाएगा

सूचना के लिए संपर्क करें – मोबाइल नंबर: 79876 47997, 9575878274।

अनुसूचित जाति के बच्चों को भी डॉक्टर, इंजीनियर और वकील बनाएगी सरकार

भोपाल।

आर्थिक रूप से कमजोर और प्रतिभाशाली अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा संचालित आकांक्षा योजना में 6 साल बाद फिर शुरू की गई है। कोरोना के चलते करीब छह साल से बंद योजना को फिर से गति दी गई है और इस बार 331 विद्यार्थियों को कोचिंग के लिए चयनित किया गया है। चयनित विद्यार्थी अब सरकारी मदद से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अपना भाग्य आजमाएंगे। राज्य शासन की योजना के तहत अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को नीट, जेईई और क्लेट जैसी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कोचिंग और आर्थिक सहायता की योजना शुरू की थी, लेकिन कोविड के कारण पिछले 6 साल से बच्चों का नुकसान हो रहा था। इस योजना को इस साल फिर शुरू किया गया है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के मेधावी विद्यार्थियों को बेहतर मार्गदर्शन और संसाधन उपलब्ध कराकर उन्हें डॉक्टर, इंजीनियर और वकील जैसे पेशों तक पहुंचने का अवसर एक बार फिर मिलेगा। 2019 से था इंतजार...लाखों का भुगतान आकांक्षा योजना का पहला सत्र वर्ष 2018-19 में संचालित किया गया था। उस समय विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए विशेष कोचिंग दी गई थी। उस सत्र में नीट में 16, जेईई में 13 और क्लेट में 22 विद्यार्थियों का चयन भी हुआ था। इस तरह कुल 51 विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में सफलता प्राप्त की थी। इसके बाद 2020-21 में कोविड-19 महामारी के कारण कोचिंग संस्थान लंबे समय तक बंद रहे। इससे योजना का संचालन प्रभावित हुआ और नियमित कक्षाएं नहीं चल पाईं। महामारी के कारण योजना की गति भी धीमी पड़ गई थी। अब वर्ष 2024-25 में योजना को दोबारा शुरू किया गया है। इस सत्र में कुल 331 विद्यार्थियों का चयन किया गया है, जिनमें 104 बालक और 227 बालिकाएं शामिल हैं। चयनित विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कोचिंग के साथ आर्थिक सहायता भी दी जा रही है। योजना के तहत बालकों को प्रतिमाह 1650 रुपए और बालिकाओं को 1700 रुपए की छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है। हालांकि योजना पर लाखों रुपए खर्च किए जाने के बावजूद चयनित विद्यार्थियों की संख्या अपेक्षा के अनुसार नहीं बढ़ सकी। ज्ञात हो कि सरकार इन बच्चों को पढ़ाने के लिए कोचिंग सेंटर को प्रति बच्चा 1 लाख रुपए से अधिक का भुगतान कर रही है। मई में फिर होंगी परीक्षाएं: अधिकारियों के अनुसार विद्यार्थियों को बेहतर मार्गदर्शन देने के लिए कोचिंग के साथ अध्ययन सामग्री और अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं, ताकि वे पूरी तैयारी के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल हो सकें। जानकारी के अनुसार आगामी परीक्षाएं मई माह में आयोजित होने की संभावना है। प्रशासन को उम्मीद है कि इस बार अधिक संख्या में विद्यार्थी इन परीक्षाओं में सफल होकर जिले और प्रदेश का नाम रोशन करेंगे।

मार्च की शुरुआत में ही तपने लगा मध्यप्रदेश

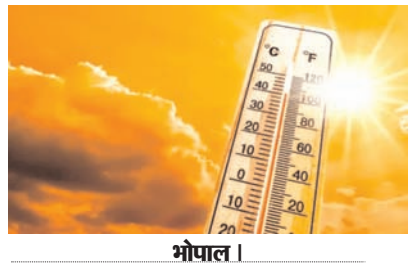

भोपाल।

मार्च का पहला सप्ताह खत्म होते-होते ही मध्यप्रदेश में गर्मी ने रफ्तार पकड़ ली है। होली के मौके पर अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया, जो सामान्य से करीब 3 डिग्री ज्यादा है। दिन के साथ-साथ रात का तापमान भी बढ़ने लगा है, जिससे मौसम में गर्मी का अहसास तेज हो गया है। सबसे ज्यादा असर इंदौर और उज्जैन संभाग में देखने को मिला। वहीं भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर में भी होली के दिन तेज धूप ने लोगों को झुलसाया। प्रदेशभर में आसमान साफ रहा और बारिश या बादलों की कोई स्थिति नहीं बनी, जिससे तापमान तेजी से ऊपर चढ़ा। 40 डिग्री की ओर बढ़ता पारा: मौसम विभाग के मुताबिक अगले चार दिनों में अधिकतम तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक की और बढ़ोतरी हो सकती है। ऐसे में मार्च के पहले पखवाड़े में ही कई शहरों में पारा 40 डिग्री तक पहुंचने की आशंका जताई जा रही है।नर्मदापुरम में इस सीजन में पहली बार तापमान 37.7 डिग्री दर्ज किया गया।

जब तक सीवर में इंसान उतरेगा, विकास अधूरा रहेगाः मृत्यु का मुआवज़ा या जीवन का अधिकार?

कु.प्रियंका जाटव
[लेखिकाः सामाजिक कार्यकर्ता विचारक-चिंतक]

एक बार फिर मध्यप्रदेश में दो सफाई कर्मचारी टैंक और पाइपों की अंधेरी गहराई में उतरकर लौटकर नहीं आए। यह केवल एक दुर्घटना नहीं थी..यह हमारी सामूहिक संवेदनहीनता का प्रमाण है। हर बार वही क्रम दोहराया जाता है-मौत, शोक, मुआवज़ा, और फिर मौन। हर बार जब कोई सफाई कर्मचारी सीवर या सेप्टिक टैंक की जहरीली, अंधेरी गहराइयों में उतरता है, वह केवल अपना काम नहीं कर रहा होता बल्कि वह अपने जीवन को दांव पर लगा रहा होता है और जब वह लौटकर नहीं आता और शासन-प्रशासन एवं नगर निगमों की लापरवाहीयों की भेंट चढ़ जाता है। क्या यही हमारे समय की संवेदना है? क्या 20 या 30 लाख रुपये किसी जीवन का मूल्य तय कर सकते हैं? या हमने यह मान लिया है कि कुछ जिंदगियाँ जोखिम के साथ ही आती हैं और उनकी मृत्यु प्रशासनिक प्रक्रिया का हिस्सा है? बीते वर्षों के आधिकारिक आँकड़े इस संवेदनहीनता की कठोर सच्चाई सामने रखते हैं। संसद में प्रस्तुत जानकारी के अनुसार वर्ष 2019 से 2023 के बीच कम से कम 377 से अधिक सफाई कर्मियों की मौतें सीवर और सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान दर्ज की गईं। वर्ष 2018 से 2024 तक यह संख्या 400 से अधिक बताई गई है। ये केवल वे मौतें हैं जो रिकॉर्ड में दर्ज हैं; सामाजिक संगठनों का कहना है कि वास्तविक संख्या इससे कहीं अधिक हो सकती है, क्योंकि कई मामलों को सामान्य दुर्घटना बताकर अलग श्रेणी में डाल दिया जाता है। हर संख्या के पीछे एक परिवार है, एक माँ की सूनी गोद है, एक पत्नी की टूटी दुनिया है, एक बच्चे का छिन गया सहारा है। कानून मौजूद है। 2013 का अधिनियम असुरक्षित सीवर और सेप्टिक टैंक में मानव प्रवेश को अपराध घोषित करता है और स्पष्ट करता है कि बिना सुरक्षा उपकरण, गैस डिटेक्टर, पीपीई किट और प्रशिक्षित टीम के किसी को उतारना दंडनीय है। सुप्रीम कोर्ट भी यह स्पष्ट कर चुका है कि ऐसे मामलों में मुआवज़ा राज्य की जिम्मेदारी है, पर न्यायालय का मूल उद्देश्य मौत के बाद भुगतान नहीं, मौत को रोकना था। फिर भी वास्तविकता यह है कि मशीनें होने के बावजूद उनका नियमित उपयोग नहीं होता, ठेकेदारी व्यवस्था में जवाबदेही धुंधली है और %मुआवज़ा दे दिया जाएगा% जैसी मानसिकता एक खतरनाक सामान्यता बन चुकी है। प्रश्न यह नहीं कि मुआवज़ा दिया जाए या नहीं बल्कि प्रश्न यह है कि वही धन पहले सुरक्षा पर क्यों नहीं लगाया जाता? यदि एक राज्य अथवा नगर निगम एक मृत्यु के बाद 20-30 लाख रुपये दे सकता है, तो क्या वही राशि पहले आधुनिक सीवर जेटिंग मशीन, रोबोटिक क्लीनिंग सिस्टम, गैस डिटेक्टर, एससीबीए सेट और प्रशिक्षित रेस्क्यू टीम पर निवेश नहीं की जा सकता? एक मृत्यु के बाद दिया गया पैसा कई संभावित मौतों को रोक सकता है..यदि उसे पहले लगाया जाए। पर हमने रोकथाम की जगह प्रतिपूर्ति को आसान विकल्प बना लिया है। हम विकास, स्मार्ट सिटी और आधुनिक भारत की बात करते हैं, पर उन्हीं शहरों की सफाई करने वाले हाथ आज भी जहरीली गैसों में दम तोड़ते हैं। यह केवल प्रशासन की विफलता नहीं, यह हमारी सामूहिक चेतना की परीक्षा है। हम आक्रोश व्यक्त करते हैं, सोशल मीडिया पर शोक लिखते हैं, पर संगठित संकल्प नहीं लेते। हमें तय करना होगा कि क्या हम अपने ही समाज के सफाईकर्मियों श्रमिकों के जीवन को मुआवज़े की रकम में तौलते रहेंगे या यह मांग करेंगे कि अब कोई भी सफाई कर्मचारी मौत के अंधे कुएँ में न उतरे। न्याय का अर्थ केवल आर्थिक सहायता नहीं है; न्याय का अर्थ है बाध्यकारी, पारदर्शी और जवाबदेह व्यवस्था जो भविष्य में किसी भी श्रमिक को असुरक्षित परिस्थितियों में काम करने के लिए मजबूर न होने दे। संवेदना शब्दों से नहीं, संरचनात्मक परिवर्तन से सिद्ध होती है। यदि हम सच में एक संवेदनशील और विकसित भारत का स्वप्न देखते हैं, तो पहला कदम यही होना चाहिए कि हर सीवर में उतरने से पहले मशीन उतरे, हर टैंक की सफाई से पहले सुरक्षा जांच हो, हर श्रमिक को उपकरण और प्रशिक्षण मिले और हर अधिकारी को जवाबदेही का भय हो। मुआवज़ा आवश्यक है, पर वह समाधान नहीं है। समाधान है...मृत्यु से पहले व्यवस्था। संवेदना तभी सच्ची होगी जब हम मृत्यु के बाद आँसू नहीं, मृत्यु से पहले व्यवस्थाओ को दुरुस्त कर परिवर्तन का साहस दिखाएँगे। यह विडंबना नहीं तो और क्या है कि जिन हाथों से हम अपने शहरों को स्वच्छ रखते हैं, उन्हीं हाथों को हम सबसे असुरक्षित परिस्थितियों में धकेल देते हैं? यदि हम सच में बदलता हुआ भारत चाहते हैं, तो पहला संकल्प यही होना चाहिए कि कोई भी सफाई कर्मचारी अब अंधेरे कुएँ में अपनी जान जोखिम में डालकर न उतरे। हमें मुआवज़े की घोषणा से आगे बढ़कर जवाबदेही की मांग करनी होगी, तकनीक और सुरक्षा में निवेश को अनिवार्य बनाना होगा। अब निर्णय हमें करना है..हम मुआवज़ों से संतोष करेंगे या जीवन की सुरक्षा को अनिवार्य बनाएँगे, क्योंकि जिस विकास की नींव किसी श्रमिक की मृत्यु पर टिके, वह विकास नहीं, व्यवस्था की विफलता है।

अदाणी फाउंडेशन के सहयोग से चार दिवसीय खेल महोत्सव, युवाओं में दिखा उत्साह

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

अनूपपुर, ग्रामीण प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और युवाओं में खेल भावना विकसित करने के उद्देश्य से अदाणी फाउंडेशन के सहयोग से कोतमा तहसील अंतर्गत मझौली में 23 से 26 फरवरी तक चार दिवसीय खेल महोत्सव का आयोजन किया गया। परियोजना से जुड़े गांवों के 168 युवाओं ने क्रिकेट, फुटबॉल एवं वॉलीबॉल प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया क्रिकेट प्रतियोगिता में उमरदा पंचायत की टीम ने कोठी ग्राम पंचायत की टीम को पराजित कर विजेता का खिताब जीता। फुटबॉल में कोठी ग्राम पंचायत की टीम ने गुलीडांड पंचायत की टीम को कड़े मुकाबले में हराकर ट्रॉफी अपने नाम की, जबकि वॉलीबॉल प्रतियोगिता में मझौली पंचायत की टीम ने उमरदा पंचायत की टीम को पराजित कर विजेता कप हासिल किया।

तीनों खेलों के फाइनल मुकाबले अंतिम क्षणों तक रोमांचक रहे। बड़ी संख्या में उपस्थित ग्रामीणों ने तालियों के साथ खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के दौरान अनूपपुर थर्मल प्लेइंग इलेवन एवं सरपंच प्लेइंग इलेवन के बीच खेले गए मैत्री मैच ने सौहार्द और सामुदायिक एकता को और मजबूत किया। इस अवसर पर अदाणी समूह की ओर से साइट हेड अरुण सिंह, प्रोजेक्ट हेड राजीव गुप्ता, अनुराग सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। अदाणी फाउंडेशन द्वारा विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी के साथ जर्सी सेट एवं खेल किट प्रदान की गई, वहीं सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को जर्सी सेट एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

अदाणी फाउंडेशन का मानना है कि खेल शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक विकास, आत्मविश्वास और अनुशासन को भी बढ़ावा देते हैं। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार ऐसे आयोजनों से ग्रामीण युवाओं की प्रतिभा को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। अदाणी फाउंडेशन द्वारा भविष्य में भी इस प्रकार के खेल आयोजनों का आयोजन जारी रहेगा

एम्स डॉक्टर सुसाइड केस में मानवाधिकार आयोग ने लिया स्वतः संज्ञान

भोपाल।

भोपाल एम्स में महिला असिस्टेंट प्रोफेसर की आत्महत्या का मामला अब राष्ट्रीय स्तर पर गूंजने लगा है। पहले भी इस प्रकरण को लेकर संस्थान की कार्यसंस्कृति और शिकायत निवारण तंत्र पर सवाल उठे थे, लेकिन अब राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने औपचारिक संज्ञान लेते हुए केंद्र और राज्य स्तर के अधिकारियों को नोटिस जारी किया है। आरोप है कि ट्रॉमा एंड इमरजेंसी विभाग के तत्कालीन एचओडी डॉ. मोहम्मद यूनुस द्वारा लगातार प्रताडऩा और सार्वजनिक अपमान से परेशान होकर चिकित्सक ने बेहोशी की दवाइयों का ओवरडोज लेकर जान दे दी।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की पीठ, जिसकी अध्यक्षता प्रियंक कानूनगो कर रहे हैं, ने इस मामले को गंभीर मानते हुए स्वत- (स्वयं की पहल पर) संज्ञान लिया। आयोग की ओर से भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय के सचिव, एम्स भोपाल के निदेशक और भोपाल पुलिस कमिश्नर को नोटिस जारी किया गया है। आयोग ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि 15 दिनों के भीतर विस्तृत जांच रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। रिपोर्ट में संस्थान की आंतरिक शिकायत समिति द्वारा की गई कार्यवाही का पूरा विवरण, दर्ज एफआईआर की प्रति और पोस्टमार्टम रिपोर्ट अनिवार्य रूप से शामिल की जाए। इस प्रकरण को लेकर आयोग के

सदस्य प्रियंक कानूनगो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (पूर्व ट्विटर) पर विस्तृत ट्वीट किया। अपने ट्वीट में उन्होंने लिखा कि भोपाल के एम्स में महिला असिस्टेंट प्रोफेसर सृष्टि (नाम परिवर्तित) ने डॉ. परवेज (नाम परिवर्तित) की प्रताडऩा और अपमान से तंग आकर बेहोश करने वाली दवा के ओवरडोज से आत्महत्या कर ली। ट्वीट में यह भी उल्लेख किया गया कि महिला चिकित्सक ने तीन बार प्रताडऩा की शिकायत की थी, लेकिन अस्पताल प्रबंधन ने कार्रवाई करने के बजाय मामले को दबाने का प्रयास किया। ऐसे में चिकित्सक ने आत्महत्या कर ली। कानूनगो ने इसे गंभीर शिकायत बताते हुए जांच के निर्देश दिए और पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

आरोप- शिकायतों पर नहीं हुई कार्रवाई

शिकायत के अनुसार, विभागाध्यक्ष द्वारा कथित रूप से लगातार मानसिक दबाव बनाया जा रहा था। सार्वजनिक रूप से अपमान, पेशेवर कामकाज में बाधाएं और अनुचित व्यवहार जैसे आरोप लगाए गए हैं। बताया जा रहा है कि डॉ. रश्मि ने संस्थान की आंतरिक शिकायत प्रणाली के तहत शिकायत दर्ज कराई थी। हालांकि, आरोप है कि शिकायतों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। यदि यह आरोप सही साबित होते हैं, तो यह केवल व्यक्तिगत उत्पीडऩ का मामला नहीं बल्कि संस्थागत लापरवाही का भी उदाहरण होगा।

पुलिस जांच भी घेरे में

भोपाल पुलिस से भी विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई है। यह देखा जाएगा कि आत्महत्या के लिए उकसाने, मानसिक प्रताडऩा या अन्य संबंधित धाराओं के तहत क्या कदम उठाए गए। जांच का दायरा अब व्यापक हो चुका है। आयोग यह स्पष्ट करना चाहता है कि कहीं प्रारंभिक स्तर पर मामले को हल्के में तो नहीं लिया गया। अब सभी की नजरें आयोग को सौंपी जाने वाली रिपोर्ट पर टिकी हैं। 15 दिनों के भीतर आने वाली यह रिपोर्ट तय करेगी कि आगे की कानूनी और प्रशासनिक कार्रवाई किस दिशा में जाएगी। आयोग की ओर से जारी संदेश में कहा गया है कि पीड़ित परिवार के साथ संवेदनाएं हैं और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। परिवार की ओर से भी निष्पक्ष जांच और जवाबदेही की मांग की गई है। उनका कहना है कि यदि समय पर शिकायतों पर ध्यान दिया जाता, तो शायद यह त्रासदी टल सकती थी।

केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने जन्मदिन पर शुरू की मामा कोचिंग

मेधावी छात्रों के लिए प्रेम-सुंदर प्रतिभा सम्मान टॉपर्स को मिलेंगे पुरस्कार

विदिशा।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण व ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने विदिशा के रविंद्रनाथ टैगोर सांस्कृतिक ऑडिटोरियम भवन में आयोजित कार्यक्रम में अपने माता-पिता की स्मृति को सहेजते हुए शिक्षा के क्षेत्र में एक नई पहल की है। मामा कोचिंग के शुभारंभ अवसर पर केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान की पत्नी श्रीमती साधना सिंह चौहान साथ मौजूद रही। केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान ने 'प्रेम-सुंदर प्रतिभा सम्मान' की शुरुआत की है। जिसका उद्देश्य क्षेत्र के मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना है। उन्होंने कहा कि विदिशा लोकसभा क्षेत्र की आठों विधानसभाओं में 10वीं और 12वीं कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। इसके तहत टॉपर्स को क्रमशः 51 हजार, 31 हजार और 21 हजार रुपये की सम्मान राशि दी जाएगी, ताकि प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिल सके। उन्होंने कहा कि केवल विधानसभा स्तर पर ही नहीं, बल्कि पूरे विदिशा लोकसभा क्षेत्र में प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को विशेष बड़े पुरस्कारों से भी सम्मानित किया जाएगा। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि, शिक्षा ही वह माध्यम है जो युवाओं के भविष्य को संवार सकती है और समाज को आगे ले जा सकती है। उन्होंने कहा कि

मेरा प्रयास रहेगा कि क्षेत्र का कोई भी प्रतिभाशाली विद्यार्थी संसाधनों के अभाव में पीछे न रह जाए और मेधावी छात्रों को सम्मान व प्रोत्साहन देकर उन्हें अपने सपनों को पूरा करने का अवसर मिले मामा कोचिंग क्लासेस से युवाओं को मिलेंगे नए अवसर केन्द्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि युवाओं का भविष्य संवारना मेरी प्राथमिकताओं में शामिल है। इसी उद्देश्य से मामा कोचिंग क्लासेस शुरू की जा रही है, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर तैयारी का अवसर मिल सके। उन्होंने कहा कि, इस पहल की शुरुआत विदिशा, रायसेन और भैरूंदा से की जा रही है। यहां विद्यार्थियों को बैंकिंग, एसएससी, एमपीपीएससी, डीआरडीओ और फॉरेस्ट सर्विस जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की निशुल्क और उच्च गुणवत्ता वाली कोचिंग उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि इन कोचिंग क्लासेस में विद्यार्थियों को अनुभवी शिक्षकों का मार्गदर्शन मिलेगा और विद्यार्थियों को आधुनिक अध्ययन सामग्री और परीक्षा से जुड़ी आवश्यक जानकारी भी उपलब्ध कराई जाएगी। सही दिशा और संसाधन मिलने पर ग्रामीण और छोटे शहरों के विद्यार्थी भी बड़ी प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता हासिल कर सकते हैं। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि, मेरा उद्देश्य यह है कि विदिशा क्षेत्र का कोई भी युवा केवल संसाधनों की कमी के कारण अपने सपनों से वंचित न रह जाए। मामा कोचिंग क्लासेस के माध्यम से युवाओं को बेहतर अवसर मिलेंगे और वो देश की विभिन्न सेवाओं में जाकर समाज और राष्ट्र की सेवा कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि युवाओं को केवल पढ़ाई ही नहीं, बल्कि करियर और रोजगार के हर चरण में सही मार्गदर्शन मिलना चाहिए। अगर कोई युवा व्यवसाय या व्यापार शुरू करना चाहता है और उसे बैंक से ऋण की जरूरत है, तो उसे यह भी समझना चाहिए कि बैंक लोन की प्रक्रिया क्या है और सरकारी योजनाओं में मिलने वाली सब्सिडी का लाभ कैसे लिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि कोशिश रहेगी कि युवाओं को इन सभी विषयों की जानकारी विस्तार से दी जाए, ताकि वो आत्मविश्वास के साथ अपने भविष्य की दिशा तय कर सकें। केन्द्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि, ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना भी मेरे संकल्पों में शामिल है।

इसी उद्देश्य से मामा चलित अस्पताल शुरू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि, विदिशा संसदीय क्षेत्र की सभी आठों विधानसभाओं में यह चलित अस्पताल शुरू किए जाएंगे, ताकि दूरदराज के गांवों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जा सकें । श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि समाज के हर वर्ग को आत्मनिर्भर बनाना मेरा लक्ष्य है और इसी दिशा में दिव्यांगजनों के लिए एक विशेष पहल की जा रही है।

उन्होंने कहा कि विदिशा में दिव्यांगजनों को मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल भेंट करने का अभियान शुरू किया गया है। इस अभियान के तहत क्षेत्र में दिव्यांगजनों की पहचान कर उन्हें मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि उनकी दैनिक आवाजाही आसान हो सके। इस अवसर पर विदिशा के ऑडिटोरियम भवन में आयोजित कार्यक्रम में शमशाबाद विधायक श्री सूर्यप्रकाश मीणा, कुरवाई विधायक श्री हरिसिंह सप्रे, विदिशा जनपद अध्यक्ष श्री वीर सिंह रघुवंशी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्री तोरण सिंह दांगी, श्री महाराज सिंह दांगी, श्री राकेश शर्मा, श्री राकेश जादौन समेत अन्य जनप्रतिनिधिगण मौजूद रहे ।

नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता-विधायक श्री मलैया

दमोह

शहर में रीडेंसीफिकेशन से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण प्रकरण हैं, इनमें पशुपालन विभाग की भूमि और पुराने मागंज स्कूल परिसर के बेहतर उपयोग को लेकर विशेष रूप से योजना बनाने पर जोर दिया जायेगा। मागंज स्कूल, जो काफी पुराना हो चुका है, वहां क्या और बेहतर किया जा सकता है, इस पर गंभीरता से विचार किया गया। इस आशय की बात आज पशुपालन एवं डेयरी विभाग राज्यमंत्री लखन पटेल ने जिला कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक के दौरान व्यक्त किये। इस अवसर पर विधायक दमोह जयंत कुमार मलैया विशेष रूप से मौजूद रहे।

राज्यमंत्री श्री पटेल ने कहा पशुपालन विभाग की जमीन के समुचित उपयोग को लेकर भी रणनीति तैयार करने की दिशा में कदम बढ़ाए जा रहे हैं। निरीक्षण के समय नगरपालिका के सभी संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। शहर के समग्र विकास, उपलब्ध संसाधनों के बेहतर उपयोग और

आवश्यक परियोजनाओं के लिए वित्तीय व्यवस्था कैसे सुनिश्चित की जाए, इस पर भी विस्तार से चर्चा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गयें।

राज्यमंत्री श्री पटेल ने कहा महिला बसति गृह सहित 7-8 अन्य स्थानों के विकास और उन्नयन को लेकर भी मंथन किया गया। इन सभी स्थानों को बेहतर सुविधाओं से युक्त बनाने के लिए समयबद्ध कार्ययोजना तैयार की जाये और उसे जमीनी स्तर पर लागू किया जाएगा। आज आयोजित बैठक के दौरान पूर्व मंत्री एवं दमोह विधायक जयंत कुमार मलैया ने शहर से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। इस अवसर पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। विधायक श्री मलैया ने कहा नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता हैं। बैठक में कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर सहित सर्बंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

निगमायुक्त ने जनगणना, राजस्व और विकास कार्यों को समय सीमा में पूर्ण करने के दिए कड़े निर्देश

जबलपुर।

जबलपुर नगर निगम आयुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने शहर की व्यवस्थाओं और विकास कार्यों को गति देने के लिए आज एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने स्पष्ट किया कि शहर के विकास और जनहित के कार्यों में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी 9 मार्च तक पूरा होगा हाउस नंबरिंग% का लक्ष्य

जनगणना कार्यों की समीक्षा करते हुए निगमायुक्त ने हाउस नंबरिंग के कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि यह कार्य 9 मार्च तक हर हाल में पूर्ण कर लिया जाए। कार्य की गंभीरता को देखते हुए कल सुबह 7 बजे से ही इस अभियान को शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों से अपील की है कि वे इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें राजस्व वसूली में तेजीव्यवहार कुशल हो अभियान निगमायुक्त द्वारा निगम की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए राजस्व वसूली अभियान की भी गहन समीक्षा की गई। निगमायुक्त ने निर्देश दिए कि सुबह 7 बजे से फील्ड में उतरकर वसूली की प्रगति बढ़ाए

अवकाश पर रोक निगमायुक्त द्वारा 31 मार्च तक वसूली से जुड़े कर्मचारियों के अवकाश पर रोक लगा दी गई है ताकि वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सके। उन्होंने ये भी कहा है कि यदि कोई बहुत

जरूरी कार्य आ जाने से अवकाश स्वीकृत किए जाएंगे आयुक्त ने विशेष रूप से जोर दिया कि वसूली के दौरान नागरिकों के साथ अधिकारियों का कार्य व्यवहार शालीन और अच्छा होना चाहिए

इसके बाद निगमायुक्त ने लोककर्म विभाग के अधिकारियों की बैठक ली और निर्माण कार्यों की जानकारी ली इस दौरान निगमायुक्त ने कहा कि सभी कार्यों को निर्धारित समय पर गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराएं। निगमायुक्त ने कड़े शब्दों में कहा कि गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा, इसलिए सभी तकनीकी अधिकारी मौके पर उपस्थित रहकर उच्च मापदंडों के अनुरूप निर्माण कार्यों को कराएं बैठक में अपर आयुक्त अरविंद शाह मनोज श्रीवास्तव अधीक्षण यंत्री कमलेश श्रीवास्तव श्रीमती अंजू सिंह ठाकुर, के साथ सभी विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जल गंगा संवर्धन अभियान वर्ष 2026 के संबंध में मंत्रालय में बैठक ली।

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुख्यमंत्री निवास में नागरिकों के साथ होली का पर्व हर्षोल्लास से मनाया।

भोपाल पुलिस कमिश्नरेट द्वारा धूमधाम से मनाया गया होली मिलन समारोह

भोपाल।

रंगोत्सव के अवसर पर होली मिलन समारोह प्रतिवर्षानुसार इस भी भोपाल पुलिस कमिश्नरेट द्वारा नेहरु नगर पुलिस लाईन में भव्य रुप से मनाया गया। समारोह में लगभग 1000 पुलिस अधिकारी कर्मचारी एवं पुलिस परिवार की लगभग 500 महिलाएं व बच्चियों ने हर्षोल्लास के साथ होली मिलन समारोह का आनंद लिया होली मिलन समारोह में एडिशनल कमिश्नर श्री अवधेश गोस्वामी, एडिशनल कमिश्नर श्रीमती मोनिका शुक्ला, डिप्टी कमिश्नर श्रीमती श्रद्धा तिवारी, कमिश्नर श्री अखिल

पटेल, डिप्टी कमिश्नर श्री मयूर खंडेलवाल, एडिशनल डिप्टी कमिश्नर श्रीमती नीतू ठाकुर, एडिशनल डिप्टी कमिश्नर श्रीमती मंजू खत्री, एडिशनल डिप्टी कमिश्नर श्री गौतम सोलंकी, एसीपी श्री मनीष भारद्वाज, एसीपी श्री संजय पवार, एसीपी श्री विजय दुबे, एसीपी श्री अजय बाजपेई, आरआई श्री जय सिंह तोमर द्वारा एक दूजे को गुलाल लगाकर होली की बधाई व शुभकानाएं दी गई तथा सिलेंडर से गुलाल उड़ाकर एवं पुष्प बरसाकर खुशी जाहिर की साथ ही नगरीय पुलिस भोपाल के करीब 1000 अधिकारियों कर्मचारियों द्वारा एक दूजे को गुलाल लगाकर होली की बधाई व शुभकानाएं दी गई मिलन समारोह में महिला व पुरुष पुलिसकर्मियों द्वारा डीजे की धुन एवं होली व फिल्मी गानों पर जमकर नृत्य किया गया, साथ ही वाटर केनन से पानी की बौछारो में भीगते हुए भी जोरदार डांस कर होली मिलन समारोह का भरपूर आनंद लिया पुलिस परिवार की महिलाओं एवं बच्चियों हेतु अलग से पुलिस पब्लिक स्कूल में मिलन समारोह का आयोजन रखा गया था, जिसमें पुलिस परिवार की लगभग 500 से अधिक महिलाओं में बच्चियों ने होली मिलन समारोह में डीजे की धुन एवं होली व फिल्मी गानों पर जमकर नृत्य कर हर्षोल्लास के साथ मिलन समारोह का आनंद लिया ।

सेवानिवृत्त पुलिस महानिदेशक श्री एच. एम. जोशी के 100वें जन्मदिवस पर आयोजित हुआ सम्मान समारोह

भोपाल। श्री जोशी देश के पहले बैच 1948 के आईपीएस अधिकारी हैं पूर्व डीजीपी श्री एच.एम. जोशी का नेतृत्व मध्यप्रदेश पुलिस के इतिहास में प्रेरणादायी अध्याय डीजीपी श्री कैलाश मकवाणा सेवानिवृत्त पुलिस महानिदेशक मध्यप्रदेश श्री हरिवल्लभ मोहनलाल जोशी (एच.एम. जोशी) के 100वें जन्मदिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश आईपीएस एसोशिएशन द्वारा पुलिस ऑफिसर्स मेस भोपाल में एक गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में श्री जोशी को शॉल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। वरिष्ठ सेवानिवृत्त आईपीएस श्री जोशी को कनिष्ठ बैच (2024) की परिवीक्षाधीन आईपीएस अधिकारी एवं सहायक पुलिस अधीक्षक, उज्जैन सुश्री काजल सिंह द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। यह क्षण अत्यंत भावनात्मक और प्रेरणादायी था, जिसने पुलिस सेवा की परंपरा, सम्मान और पीढ़ियों के बीच जुड़ाव को भी दर्शाया समारोह में श्री जोशी के जीवन, सेवाकाल और उपलब्धियों पर आधारित एक डॉक्यूमेंट्री वीडियो का प्रदर्शन भी किया गया, जिसमें उनके प्रशासनिक नेतृत्व, दस्यु उन्मूलन अभियान में योगदान तथा पुलिस सेवा में उनकी विशिष्ट उपलब्धियों को प्रदर्शित किया गया ।

हर आंगन में सुख, शांति और समृद्धि के नए रंग बिखेरता है होली का उत्सवः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संतों , समाजसेवियों, जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों, कार्यकर्ताओं और मीडिया के साथियों के साथ खेली होली

भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को मुख्यमंत्री निवास में आयोजित होली मिलन समारोह में प्रदेशवासियों को उत्साह, उमंग और समरसता के पावन पर्व होली की बधाई और मंगलकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह उत्सव हर आंगन में सुख, शांति और समृद्धि के नए रंग बिखेरे और समाज में सद्भाव-सकारात्मकता और एकता का रंग सदा चटक रहे यही कामना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी से आत्मीयता और सौहार्द के साथ त्यौहार मनाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने होली पर मुख्यमंत्री निवास पहुंचे नागरिकों के साथ होली की मंगलकामनाओं का आदान-प्रदान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास पधारे संतों से आशीर्वाद प्राप्त किया। वरिष्ठ और गणमान्य नागरिकों का अभिवादन किया तथा सभी आगंतुकों पर पुष्प वर्षा एवं गुलाल उड़ाकर मेजबान के रूप में सबका स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सांस्कृतिक प्रस्तुति देने वाले कलाकारों को गुलाल लगाया और पारम्परिक वाद्य यंत्रों के साथ उनके सुर में सुर भी मिलाया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को मुख्यमंत्री निवास पधारे राज्य मंत्री श्री नरेंद्र शिवाजी पटेल, वरिष्ठ सांसद श्री विष्णु दत्त शर्मा, विधायक श्री रामेश्वर शर्मा, नगर निगम अध्यक्ष श्री किशन सूर्यवंशी, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव श्री नीरज मंडलोई, श्री मनु श्रीवास्तव, श्री शिवशेखर शुक्ला , प्रमुख सचिव श्री उमाकांत उमराव , सचिव परिवहन एवं आयुक्त जनसंपर्क श्री मनीष सिंह, खाटू श्याम मंदिर भोपाल के प्रमुख प्रचारक पूज्य अनिल आनंद महाराज सहित कई जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों, पत्रकार गण और वरिष्ठ अधिकारियों ने मंगल कामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री निवास में आयोजित होली मिलन समारोह में उड़ते रंग गुलाल और पुष्प वर्षा के बीच, ब्रज-बरसाने के होली गीतों, पारंपरिक संगीत और मयूर नृत्य के साथ उल्लास और उमंग से सराबोर वातावरण में सभी ने शालीनता के साथ पर्व का आनंद लिया। मंच पर प्रस्तुति दे रहे कलाकारों ने रंग बरसे, होली के दिन दिल खिल जाते हैं, होली खेलें रघुवीरा, आज ब्रज में होली रे रसिया जैसे होली गीतों का सस्वर गायन कर सभी के उल्लास को दोगुना कर दिया। मुख्यमंत्री निवास में होली पर्व पर आयोजित मिलन समारोह में सभी को गुजिया, बालूशाही, ठंडाई सहित कई परंपरागत व्यंजन परोसे गए।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड, तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। **संपादक** : नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)